सत्यमेव जयते

भारतीय बारहसिंघा
SWAMP DEERS OF INDIA

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय

राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, नई दिल्ली का क्षेत्रीय केंद्र

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल

फोन:0755-2467551, 2461371, ई -मेल:rmnhbpl@gmail.com

भारतीय बारहसिंघा
SWAMP DEERS OF INDIA

वैज्ञानिक नाम
1. रुसेर्वस डुवॉसेली
(पश्चिमी या उत्तरी उप-प्रजाति)
2. रुसेर्वस डुवॉसेली ब्रैंडेरी
(कठोर ज़मीन वाली उप-प्रजाति)
3. रुसेर्वस डुवॉसेली रंजितसिन्ही
(पूर्वी उप-प्रजाति)

स्थानीय नाम - बारहसिंघा

Scientific Name:
1.*Rucervus duvaucelii duvaucelii* (Western or Northern Sub-species)
2.*Rucervus duvaucelii branderi* (Hard ground Sub-species)
3.*Rucervusm duvaucelii ranjitsinhi* (Eastern Sub-species)

Local Name: Barasingha

Eastern Barasingha
पूर्वी बारहसिंघा

Western Barasingha
पश्चिमी बारहसिंघा

शारीरिक संरचना- हिरन की सींग को श्रृंग कहते हैं। वयस्क नर बारहसिंघा के बड़े बड़े श्रृंग सामान्यतः बारह शाखाओं में विभाजित होते हैं इसीलिए इसे बारहसिंघा कहते हैं। यह हिरण मध्यम आकार का होता है। बारहसिंघा की खाल भूरे रंग की जबकि पेट की खाल हल्के पीले रंग की होती है। ग्रीष्म ऋतु में नर बारहसिंघा का रंग लालिमा लिए हुए हो जाता है। इन जानवरों के श्रृंग हड्डियो के विस्तार से बनते हैं। जब ये मखमली श्रृंग सूख जाते है तो युवा हिरण इसे पेड़ की छाल से रगड़कर हटा देते हैं जिससे इनके श्रृंग साफ साफ दिखाई देने लगते हैं।

Physical Appearance- They derive their name from the large antlers of the adult male Barasingha, which may grow to have more than 12 points, hence the translation of its name in Hindi is 12-antlered Deer. The Barasingha is a medium sized deer. The Barasingha have a predominantly brown coat with yellowish undersides; males (stags) develop a reddish tinge in summer. Antlers of these animals are extension of their bones. When this felt dries, young males remove it and expose their antlers. They get rid of the felt by rubbing against tree bark.

आकार/वजन
इसकी ऊँचाई लगभग 110-130 सेंटी मीटर, लंबाई लगभग 160-185 सेंटी मीटर तथा इनका वजन लगभग 130-280 किलोग्राम तक होता है। बारहसिंघा लगभग 48 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक दौड़ लेता है।

प्रजनन
मादा बारहसिंघा 3 से 4 वर्ष की उम्र में प्रजनन करने योग्य हो जाती है तथा नर बारहसिंघा 4 वर्ष में प्रजनन योग्य होते हैं। नर बारहसिंघा कई मादाओं के साथ सम्बन्ध बनाता है। नर बारहसिंघा किसी मादा बारहसिंघा के साथ सम्बन्ध बनाने के लिए दूसरे नर बारहसिंघा के साथ भीषण लड़ाई तक कर लेते हैं। पश्चिमी या उत्तरी उप-प्रजाति में संसर्ग ऋतु; अगस्त से सितंबर तक, कठोर ज़मीन वाली उप-प्रजाति में दिसंबर के पहले तथा पूर्वी उप-प्रजाति में अप्रैल में संसर्ग ऋतु देखा गया है। 240 से 250 दिन के गर्भाधान के पश्चात मादा बारहसिंघा एक शिशु को जन्म देती है।

आयु
बारहसिंघा लगभग 20 से 23 वर्ष की आयु तक जीवित रहते हैं।

आदत
बारहसिंघा को पानी वाले क्षेत्र, दलदली क्षेत्र एवं नदियों के पास की लंबी घास तथा नरई/नरकट/सरकंडा युक्त भूमि अत्यंत पसन्द है। बारहसिंघा मुख्य रूप से घास खाते हैं, परंतु बारहसिंघा की पश्चिमी या उत्तरी उप-प्रजाति कभी-कभी जलीय पौधों को भी खाता है जबकि बारहसिंघा की पूर्वी उप-प्रजाति मानसून और सर्दियो के मौसम में अधिकांशतः जलीय पौधों को खाने के लिए अपने सिर को पानी में डुबोए रखता है। बारहसिंघा अत्यंत सामाजिक प्राणी होते हैं। बारहसिंघा सामान्यतः सुबह और शाम को घास चरते हैं तथा दोपहर के समय आराम करना पसंद करते हैं लेकिन वे दिन में कभी भी सक्रिय हो सकते हैं।

Size & Weight
It's height ranges between of 110-130 cm, length between 160-185 cm and weight between 130-280 Kg. It can attain a top speed of 48 Km. per hour.

Reproduction
Females are capable to reproduce at the age of three to four years and males older than four years. Barasinghas have a polygynous mating system, where the dominant male mates with a group of females known as a harem. Each male defends its mating rights, engaging in harsh competition and fights with other males. Mating season starts for Western or Northern Sub-species in August–September, for Hard ground Sub-species in early December and for Eastern Sub-species in April. A single baby is born after 240 - 250 days of gestation.

Longevity
A barasingha can live 20 to 23 years.

Habit
The Barasingha prefers leaves, tall grass and reed beds near rivers. Marshes or swampland is a Barasingha's preferred territory. Barasingha is predominantly a grazer, but at least Western or Northern Sub-species are known to feed occasionally on aquatic plants, and aquatic plants contribute significantly to the diet of Eastern Sub-species during the monsoon and winter. In order to get to their meal, these animals dip their head in the water. Barasinghas are highly social creatures. Barasinghas may be active at any time of the day, although they spend mornings and evenings grazing and prefer to rest during the afternoon.

वितरण और रहवास

वर्तमान समय में बारहसिंघा की आबादी उत्तरी भारत, मध्य भारत और दक्षिण-पश्चिमी नेपाल के आस-पास समुद्र तल से 100 से 300 मीटर की ऊँचाई वाले क्षेत्रों में पायी जाती है। बारहसिंघा को उनकी आकृति, अनुकूलन विशेषताओं तथा उनके खुर के आकार के आधार पर; तीन उप-प्रजातियो में विभाजित किया गया है:

कठोर ज़मीन पर पाए जाने वाले बारहसिंघा

यह बारहसिंघा (रुसेर्वस डुवॉसेली ब्रैंडेरी) केवल मध्यप्रदेश तक ही सीमित है, तथा ये खुले घास के मैदानों में और साल (शोरिया रोबस्टा) के जंगलो में पाए जाते हैं।

उत्तरी/पूर्वी या नमभूमि घास के मैदान पर पाए जाने वाले बारहसिंघा

यह बारहसिंघा (रुसेर्वस डुवॉसेली डुवॉसेली) उत्तर भारत और नेपाल की तराई वाले क्षेत्र तक ही सीमित है।

पूर्वी बारहसिंघा

यह बारहसिंघा (रुसेर्वस डुवॉसेली रंजितसिन्ही) असम के ब्रह्मपुत्र नदी के बाढ़ग्रस्त मैदानी क्षेत्रो में पाया जाता है।

वास्तव में ये दोनों बारहसिंघा (रुसेर्वस डुवॉसेली डुवॉसेली तथा रुसेर्वस डुवॉसेली रंजितसिन्ही) असली बारहसिंघा हैं जो नदियों के बाढ़ग्रस्त मैदानों में उगने वाली लम्बी लम्बी घासों एवं नरई/नरकट/सरकंडा के बीच रहना पसंद करते हैं।

संरक्षण

बारहसिंघा के रहवास में वृद्धि एवं इनके अवैध शिकार पर रोक लगा करके; बारहसिंघा की सभी उप प्रजातियों को संरक्षित किया जा सकता है।

Distribution and Habitat

Barasinghas presently occur in isolated populations across heavily fragmented range, which includes north and central India as well as south-western Nepal between 100 to 300 meters above mean sea level. Three subspecies of swamp deer have been described on the basis of morphological, adaptation features and is reflected in hoof morphology. These subspecies are:

The hard-ground swamp deer (*R. d. branderi*) is restricted to population of Madhya Pradesh, in central India, occupy open sal (*Shorea robusta*) forest with a grass understorey and grass glades.

The northern/ eastern or wet grassland swamp deer (*R. d. duvaucelii*) is confined to the terai region in north India and Nepal.

The eastern swamp deer (*R. d. ranjitsinhi*) is found in the Brahmaputra floodplains of Assam; Both of these barasinghas are true swamp deer inhabiting flooded tall grassland as well as reed beds of large river floodplains.

कठोर ज़मीन वाली उप-प्रजाति
Hard ground Sub-species

Conservation

All sub species of barasingha may be conserved by increasing the area of habitat and to check the poaching.

कवर पेज फोटो: रुसेर्वस डुवॉसेली ब्रैंडेरी (कठोर ज़मीन वाली उप-प्रजाति)

अन्य केंद्र : नई दिल्ली (मुख्यालय), मैसूरु, भुवनेश्वर, सवाई माधोपुर, गैंगटोक (आगामी)

तकनीकी सहयोग- भोपाल बर्ड्स